

5.7.18

पत्रावली माण जमीन योग्य परीचे अधिवसन तपसुनी जी  
 ह्या पत्रात १८५० मीमल तपसुनी का स्वीकार किंवा  
 पर फा डी । जमीन योग्य न परीचे अधिवसन ह्या  
 १८५० जपान राजीगमा ह्या का पत्र का निवेदन किंवा  
 कि प्रकरा मे पत्रकारा के मध्य राजीगमा हो सका  
 हो सका के प्रकरा का राजीगमा के कडुमारे किंवा २००  
 कावाला जोसा है । पत्रावली का कडुमारे किंवा गमा जमीन  
 ह्या पत्रात १८५० के ह्या २५१'क' का राजीगमा का  
 कडुमारे स्वीकार किंवा जाता है । पर किमल किंवा प्रकरा  
 मे लखित कावाला मागील पत्रावली किंवा गमा । पत्रावली  
 फामल गुमा कडुमारे दाखिल दफतर है व गमा से काम  
 है ।

उपखण्ड  
 उदयपुरवादी

पत्रावली

ग. य. लखार

John

Chandran